भारत सरकार

कृषि एवं किसान कल्‍याण मंत्रालय

कृषि, सहकारिता एवं किसान कल्‍याण विभाग

**राज्‍य सभा**

**अतारांकित प्रश्‍न संख्‍या 837**

**22 दिसंबर, 2017 को उत्‍तरार्थ**

**विषय: कृषि के इजराइल माडल पर किसानों को प्रशिक्षण**

**837. डा॰ वी॰ मैत्रेयनः**

**क्या कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः**

(क) क्या देश में कृषि को बढ़ावा देने के लिए जारी विभिन्न योजनाओं के बावजूद 33 प्रतिशत से अधिक किसान गरीबी रेखा से नीचे रह रहे हैं और 30 प्रतिशत कर्ज में डूबे हैं;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और गत तीन वर्षों के दौरान किसानों के कष्ट को कम करने के लिए क्या उपचारी उपाय किए गए हैं;

(ग) क्या सरकार ने खेती की तकनीकों में सुधार और विकास करने के लिए खेती के इजराइल मॉडल पर किसानों को व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान करने का प्रस्ताव किया था; और

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और सरकार द्वारा इस संबंध में क्या कदम उठाए गए हैं?

**उत्‍तर**

**कृषि एवं किसान कल्‍याण मंत्रालय में राज्‍य मंत्री**

**(गजेन्‍द्र सिंह शेखावत)**

(क) और (ख) राष्‍ट्रीय प्रतिदर्श सर्वेक्षण कार्यालय (एनएसएसओ) के उपभोग व्‍यय संबंधी आवधिक सर्वेक्षणों के आधार पर विशेषज्ञ समूह (तत्‍कालीन योजना आयोग) के अनुसार 2011-12 में ग्रामीण क्षेत्रों में गरीबी रेखा से नीचे जनसंख्‍या 25.7 प्रतिशत थी। विषेषज्ञ समूह द्वारा गरीबी रेखा से नीचे जीवन-यापन कर रहे किसानों की संख्‍या के संबंध में अलग से कोई आकलन नहीं किया गया था। *कृषि परिवारों का स्‍थिति आकलन सर्वेक्षण 2013* के अनुसार देश में 52 प्रतिशत कृषि परिवार ऋणग्रस्‍त थे। सरकार ने पिछले तीन वर्षों के दौरान भारित औसत उत्‍पादन लागत पर पर्याप्‍त लाभ के साथ मुख्‍य फसलों के न्‍यूनतम समर्थन मूल्‍यों में वृद्धि की है; और कई कृषि विकास पहलों के माध्‍यम से किसानों की दयनीय स्‍थिति में सुधार करने के लिए विभिन्‍न योजनाओं का कार्यान्‍वयन कर रही है। इनमें, अन्‍य बातों के साथ-साथ, राष्‍ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन, प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना, परंपरागत कृषि विकास योजना, मृदा स्‍वास्‍थ्‍य कार्ड और नीम लेपित यूरिया, प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना और राष्‍ट्रीय कृषि बाजार (ई-एनएएम) शमिल हैं।

(ग) और (घ) जी, हां। सरकार भारत-इजरायल कृषि कार्य योजना 2015-18 का कार्यान्‍वयन कर रही है जिसके तहत इजरायली विशेषज्ञों के तकनीकी सहयोग से उत्‍कृष्‍टता केन्‍द्रों (सीओई) की स्‍थापना की जा रही है। इन उत्‍कृष्‍टता केन्‍द्रों की स्‍थापना का मुख्‍य उद्देश्‍य तकनीकों का प्रदर्शन करना, प्रशिक्षण देना और पौध रोपण सामग्री का उत्‍पादन है। इजरायली विशेषज्ञ इन केन्‍द्रों का दौरा करते है और फील्‍ड कर्मचारियों एवं किसानों को व्‍यावहारिक प्रशिक्षण देते हैं।

\*\*\*\*\*